

विधांसकारी हथियारों की बढ़ती उपलब्धि अधिक विनाशक

निरंतर अधिक विधांसकारी हथियारों की बढ़ती उपलब्धि के कारण हिंसा की प्रवृत्तियां अधिक विनाशक रूप ले रही हैं। छोटे बड़े विभिन्न तरह के विनाशकारी हथियारों के तेज प्रसार में विश्व के हथियार उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह एक मोटे मुनाफ़ का उद्योग है जिसमें भ्रष्टाचार या अन्य त्रैपों से भारी क्षमता है। ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल ने विभिन्न उद्योगों की इस आधार पर रैंकिंग की थी कि सबसे अधिक रित कौन सा उद्योग देता है। इसमें हथियार उद्योग को दूसरा ख्याल मिला। अमेरिकी वाणिज्यिक विभाग द्वारा जनरल एक्सट्रिंग ऑफिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व के सब तरह के व्यापार में 50 प्रतिशत रित देने के मामले हथियार के व्यापार से जुड़े होते हैं। ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट ने अनुमान प्रसुत किया है कि जितने मूल्य का सिद्ध होता है, उक्ता कम से कम 10 प्रतिशत तो रित में जाता है। यह 10 प्रतिशत भी अरबों डॉलर का मामला है।

हथियारों की विक्री से जुड़े भ्रष्टाचार की बड़ी राशि प्रायः चोरी-छिपे विद्युतीय खातों में जमा की जाती थी, पर इसका खुलासा हो जाने के द्वारा कारण अब इसमें बदलाव आ रहा है, और ऐसे उपाय खोजे गए हैं, जिनसे इस भ्रष्टाचार को दबाना और सुनिश्चित हो सके। टैक, बड़ी तोपें, लड़ाक जहाज, पनडुब्बी आदि

के कारोबार में बहुत साधन-संपर्क बहुराष्ट्रीय गतियारों में है। ये कपनियां सतारायों को इस तरह प्रभावित करती हैं कि अरबों डॉलर के उनके सौदे होते रहे, फिर वाहे इस कारण विश्व का वर्तमान और भविष्य अत्यधिक असुरक्षित ही बद्दों न हो जाए। इन कपनियों के असुरक्षित करने के असरों के कारण निश्चारण के बे प्रयास आगे नहीं बढ़ पाते हैं जिनकी विश्व को बहुत ज़रूरत है। विश्व के अधिकांश जनसाधारण एक दूसरे से अमन-शाति से रह सकते हैं, पर हथियारों से जुड़े निहित स्वार्थ और इनके गठोड़ों के राजनीतिक ऐसी असुरक्षा जो अन्यानी बढ़ावा देते हैं कि जिसमें महंगे हथियार बहुत ज़रूरी प्रीति होते हैं।

विश्व के सबसे विनाशकारी हथियारों को नियन्त्रित करने के अंतरराष्ट्रीय समझौते आगे बढ़ने के स्थान पर पीछे जा रहे हैं यानी इनका असर पहले से और कम हो रहा है। दूसरी ओर, तरह-तरह के छोटे और हक्के हथियारों में भी ऐसे तकनीकी बदलाव आते रहे हैं जिनकी इनकी विनाशक क्षमता बढ़ जाए। विश्व की इनकी विनाशक क्षमता बढ़ जाए। विश्व का स्वास्थ्य संगठन द्वारा तैयार की गई %हिस्सा एवं स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट के अनुसार, अधिक गोलियों की अधिक तरीजे से और अधिक शीघ्रता से और अधिक दूरी तक फायर करने की क्षमता कम होती है। अरबों डॉलर के हथियारों के सौदे होते हैं जबकि जनसख्ता की विनाशकता भी बढ़ी है। एक-47

अराजकता फैलाने की बातें मतदाताओं को पसंद नहीं

आजाद भारत के इतिहास में तईस नवंबर की तारीख कई मायने में बेहद अहम है। कल तक जिस भाजपा के लिए राजनीतिक दलों और उनके राजनीतिक दलों को जो डर दिखा कर एकजुट रखना था उसी कार्यसंगी से भाजपा ने बहुसंख्यक हिंदुओं को अपने हक्के में खड़ा करने का कार्रवाई कर डाला है। 'बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेंफ रहेंगे' जैसे राजनीतिक दलों को लेकर जीपीसी की बैठकों में रहे हैं। इसे लेकर भाजपा ने उसके दूर रहने की नीति की जारी रखी है। अगर आप भी इन नीतियों की विवादों में जुटा होते हैं तो महाराष्ट्र में भाजपा की विवादों में जुटा होते हैं। आगे

इस मुद्रे पर विषय और सत्ता पक्ष के व्यवहार पर देश के जनमानस की पैनी नजर रहेगी।

बहरहाल बहुसंख्यक वर्ग के भाजपा से अधिक विषयों के रूप में रहे हैं। कर रखने के अवलंग विषयों की भाँति एक नहीं हुए तो तुम्हारे हितों को काट कर उनको दिया जाएगा जो एकमुश्त गोट करते हैं। विषय ने संतुलन की रणनीति पर काम नहीं किया तो महाराष्ट्र जैसे नीतीजे आगे भी आते हैं। इसे लेकर भाजपा ने उसके दूर रहने की नीति नहीं देखी है। विषय ने संतुलन की रणनीति पर काम नहीं किया तो महाराष्ट्र जैसे नीतीजे आगे भी आते हैं। अगर आप भी इन प्रेरणानियों से जुझ रहे हैं तो यह लेख आपके काम किया उसकी गेंज देता है। अब बहुत दूर तक फूल करने की अधिकतम दूरी हुई जा रही है।

विकास पार्टी की धोबी घाट वाली धुलाई हो गई।

राष्ट्रीय स्तर पर काग्रेस से अलग होकर एसीपी बनाने में मराठा सरदार शरद पवार और पूर्व सीएम उद्व ताकरे का कांग्रेस के मार्डिवाप राहुल गांधी जी में दो सौ वालासी सीट पर आधमेध यज्ञ को रोक कर नियन्त्रित होने का निर्देश देता है तो दो सौ बत्तर के स्थान पर केवल नियन्यावे सीटें जिताकर कायदे में रहने की नीसीहत देता है। इसके बाद भी जब एनडीए के बहुमत वाली मोदी सरकार गिराने की धर्मी देवता देश के बाहर रहने की अपेक्षा नहीं हुई दूरी है। एसीपी लोकेन दूसरी तरफ झारखंड राज्य ने हमें सेरेन बाले इंडी लाक को एक तरफ़ बहुमत देवर विषय के दिन की लों को भी ढूँढ़ी होने

पेयजल तक से बैरंत रह जाता है या कूपोषण से पीड़ित होता है। दुनिया में विभिन्न स्तरों पर नियन्त्रीकरण के अभियान को तेज करने की ज़रूरत है ताकि हथियारों और गोला-बारूद की मांग, उत्पादन, उपलब्धि और वास्तविक उपयोग विभिन्न स्तरों पर काम हो सके। विश्व स्तर पर खाल के विरुद्ध करने के लिए अप्राप्यता और रोकने के लिए उपयोग के बाहर रहते हैं। ऐसे कुछ अभियानों के प्रयासों से विश्व के स्तर पर प्रतिबंध लगाने वाले समझौते भी हुए हैं।

बारूदी सुरंग या लेडमाइस बहुत खतरनाक हथियार हैं, जिनके कारण बहुत से निदरेष्ट लोगों के दालों से बाहर के क्षेत्र में हैं। केवल सेनाओं के अपराधों के लिए एक वर्ष में 14 अरब गोलों का उत्पादन किया जाता है—यानी विश्व की कुल आबादी की दोगुनी गोलियों का उत्पादन। अधिक विधांसक हथियारों की उपलब्धि ऐसे कारण बहुत खतरनाक है जो अपराधों के लिए एक वर्ष में है। और एक अरब गोलों के लिए एक वर्ष में 14 अरब गोलों का उत्पादन किया जाता है—यानी विश्व की कुल आबादी की दोगुनी गोलियों का उत्पादन। अधिक विधांसक हथियारों की उपलब्धि ऐसे कारण बहुत खतरनाक है जो अपराधों के लिए एक वर्ष में है। और एक अरब गोलों के लिए एक वर्ष में 14 अरब गोलों का उत्पादन किया जाता है—यानी विश्व की कुल आबादी की दोगुनी गोलियों का उत्पादन।

बारूदी सुरंग या लेडमाइस बहुत खतरनाक है। जिनके लिए एक वर्ष में 14 अरब गोलों का उत्पादन किया जाता है—यानी विश्व की कुल आबादी की दोगुनी गोलियों का उत्पादन।

दिया।

इसलिए देश के चतुर दोजान अमानसदाताओं को सांषदग द्वारा विषयान्तर्क्षयों के बहुलकरण सुराना विषयों के लिए आधमेध यज्ञ को रोक कर नियन्त्रित होने का निर्देश देता है तो दो सौ बत्तर के स्थान पर केवल नियन्यावे सीटें जिताकर कायदे में रहने की नीसीहत देता है। इसके बाद भी जब एनडीए के बहुमत वाली मोदी सरकार गिराने की धर्मी देवता देश के बाहर रहने की अपेक्षा नहीं हुई दूरी है। एसीपी लोकेन दूसरी तरफ़ रही है। बारत में इस साल एप्रिलियम की मांग 280 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वीन के लिए यह आंकड़ा 90

स्पाग का खतरनाक रूप

भारत अब दुनिया प्रति वर्ष सबसे ज्यादा कार्बन उत्पादन करने वाले देश बन गया है। भारत का उत्पादन चीन की तुलना में 22 गुना तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष भारत के लिए उत्पादन की बढ़ती रोकने का अनुमान लगाया गया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित देश के कई इलाकों में स्पाग ने खतरनाक रूप अपना रखा है। अब यह हर साल की कहानी हो गई है— इस सीजन में धूध और हवा में मौजूद प्रदूषक तत्त्वों से बना स्पांग वातावरण पर छा जाता है।

सुप्रीम को स्टेलिल सुजन छंद - मनहान धनक्षरी *रवाना छातीसगढ़ी

प्रतिशत और अमेरिका के लिए 40 प्रतिशत है।

तात्पर्य यह कि भारत में जलवाया का बिना कोई ख्याल किए कार्बन उत्पादन को अनियन्त्रित बनाए रखा जा रहा है।

सुप्रीम को स्टेलिल सुजन छंद - मनहान धनक्षरी

*रवाना छातीसगढ़ी

मया के गोठ

आम अंड अमली के,

चटनी बना ले समी,

बासी संग अडब्बद,

गोंदली मिठाये जी।

कलेरा कसन करु,

झान गोठियाबे संगी,

गुरुरु रोंठ बाली,

मोला तो लुभाये जी।

नवाँ-नवाँ बहुरिया,

खनकाथे चुरी संगी,

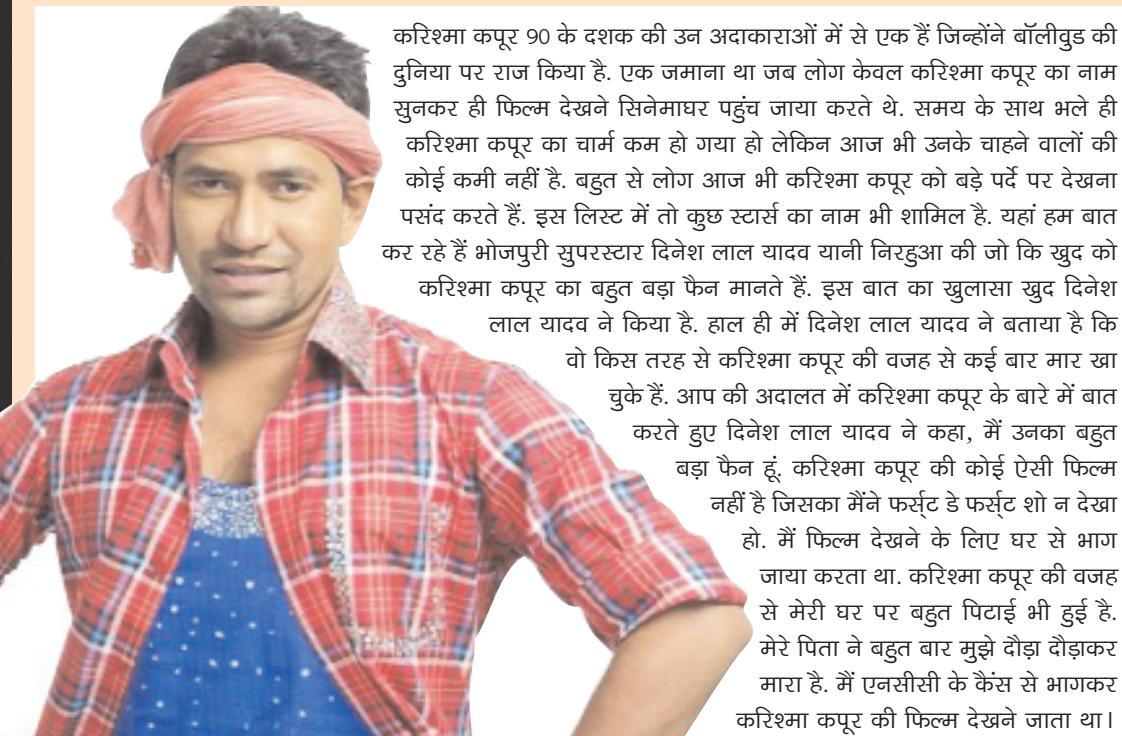
छुन-छुन पैरी घलो,

* सुधर बजाये जी।

आम गोठ डार डार,



करिश्मा कपूर की वजह से बहुत मार रखा चुका है



करिश्मा कपूर 90 के दशक की उन अदाकाराओं में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड की दुनिया पर राज किया है. एक जमाना था जब लोग केवल करिश्मा कपूर का नाम सुनकर ही फिल्म देखने सिनेमाघर पहुंच जाया करते थे. समय के साथ भले ही करिश्मा कपूर का चार्म कम हो गया हो लेकिन आज भी उनके चाहने वालों की कोई कमी नहीं है. बहुत से लोग आज भी करिश्मा कपूर को बड़े पर्दे पर देखना पसंद करते हैं. इस लिस्ट में तो कुछ स्टार्स का नाम भी शामिल है. यहां हम बात कर रहे हैं भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ की जो कि खुद को करिश्मा कपूर का बहुत बड़ा फैन मानते हैं. इस बात का खुलासा खुद दिनेश लाल यादव ने किया है. हाल ही में दिनेश लाल यादव ने बताया है कि वो किस तरह से करिश्मा कपूर की वजह से कई बार मार खा चुके हैं. आप की अदालत में करिश्मा कपूर के बारे में बात करते हुए दिनेश लाल यादव ने कहा, मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं. करिश्मा कपूर की कोई ऐसी फिल्म नहीं है जिसका मैंने फर्स्ट डे फर्स्ट शो न देखा हो. मैं फिल्म देखने के लिए घर से भाग जाया करता था. करिश्मा कपूर की वजह से मेरी घर पर बहुत पिटाई भी हुई है. मेरे पिता ने बहुत बार मुझे दौड़ा दौड़ाकर मारा है. मैं एनसीसी के कैंस से भागकर करिश्मा कपूर की फिल्म देखने जाता था।

22 साल बाद बड़े पर्दे पर रिलीज होगी अनराग कश्यप की फिल्म



कार्तिक में अपने उस एक्स बॉयफ्रेंड की झलक देखती हैं शिल्पा शेट्टी



करोड़ रुपये कमाए थे,
जबकि मंगलवार, बुधवार
और गुरुवार को क्रमशः 3.25
करोड़ रु., 2.4 करोड़ रु. और
1.9 करोड़ रु. का कलेक्शन
किया। इस तरह फिल्म ने
पहले हफ्ते में 64.3 करोड़ रु.
प्राप्त किये।

दूसरे शक्रवार को फिल्म ने

दूसरे दुर्गपाल का निर्माण
सबसे कम कमाई की. रिलायजन
के 9वें दिन फिल्म ने 7 लाख
रुपये की कमाई की. वहाँ,
दूसरे को इसके कलेक्शन में
64.29 प्रतिशत की बढ़ोतरी
दर्ज की गई. 10वें दिन फिल्म
ने 1.15 करोड़ रुपये कमाए.
जबकि 11वें दिन फिल्म ने

1.35 करोड़ रुपये का
करोबार किया। इस तरह
फिल्म ने 11 दिनों में 67.50
करोड़ रुपये कमाए।

सिवा की निर्देशित फिल्म 70 करोड़ रु. के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 13 दिन हो चुके हैं। सैकनिल्क वे रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 12 दिनों में 67.87 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें तमिल में 16 लाख रु., हिंदी में 13 लाख रु. और तेलुगू में 8 लाख रु. कमाए हैं।



सूर्यो स्टार कंगुवा के लिए दूसरा वीकेंड राहत भरा रहा था। फिल्म ने दूसरे गविवार को ठीकठाक कमाई की थी, लेकिन, दूसरे मैट्च करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को क्रमशः 3.25 करोड़ रु., 2.4 करोड़ रु. और 1.9 करोड़ रु. का कलेक्शन

टेस्ट में फिल्म एक बार फिर फेल होती दिखी है। रविवार को फिल्म ने करोड़ों रुपये में किया। इस तरह फिल्म ने पहले हफ्ते में 64.3 करोड़ रु कमाए थे।

दूसरे शुक्रवार को फिल्म ने सबसे कम कमाई की. रिलीज के 9वें दिन फिल्म ने 7 लाख रुपये की कमाई की. वहाँ,

सूर्यां, बांबी देओल और दिशा पटानी की एपिक फैटेसी ड्रामा ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रु. का

कलेक्शन किया था, फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली जुली समीक्षा मिली थी। ओपनिंग डे के बाद फिल्म

जापानी लोगों का फिल्म
की कमाई में भारी गिरावट
देखी गई। दूसरे दिन फिल्म ने
9.5 करोड़ रु. और तीसरे
दिन 9.85 करोड़ रु. का

दिन 9.85 करोड़ रु. का बिजनेस किया था. पहले रविवार को फिल्म 10.25 करोड़ रु. की कमाई की थी। प्रदूषण स्तरों तक फिल्म ने

पहल बाकड़ तक पहुँचन
53.6 करोड़ रु. का कलेक्शन
किया था। फिल्म की असली
परीक्षा पहले सोमवार को हुई,
तिरंगे व गंगा नदी पर आया।



इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहन निष्क्री तंबोली ने शेयर किया ग्लैम लक

बिंग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट निकी तंबोली आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चाएं बढ़ती रहती हैं। उनका हार एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकू हो गए हैं। एक्ट्रेस निकी तंबोली हमेश अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकी तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन

तस्वीरों में उनका स्टाइल स्टेटमेंट देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।
 निकी तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की इंडो-वेस्टर्न लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं निकी तंबोली बलखाती हुई कमर कैमरे के सामने फैलॉन्ट करती हुई फोटोज किलक करवा रही हैं।



Pratidinrajdhani.in

Daily Morning Newspaper & Webportal

E Paper Also Available



Web Portal : www.pratidinrajdhani.in

Youtube : Pratidin Rajdhani



दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

**आम ईश्तहार, खरीदी विक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस**

संपर्क करें:

शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)



62629 04444

ई-मेल : pratidincg@gmail.com

E-paper : <https://epaper.pratidinrajdhani.in>

छत्तीसगढ़ में पहली बार एमएमआई में सचेत मरीज की सफल ब्रेन ट्यूमर सर्जरी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। एमएमआई नारायणा हैल्थ अस्पताल रायपुर ने छत्तीसगढ़ में पहली बार जागते हुए मरीज की क्रैनियोटोमी और न्यूरोमॉनिटरिंग तकनीक का उपयोग करते हुए ब्रेन ट्यूमर हटाने की सफलतापूर्वक सर्जरी की गयी।

यह उन्नत प्रक्रिया 25 वर्षीय मरीज के लिए नई उम्मीद लेकर आई और अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं में जड़कृता को दर्शाती है।

इस सर्जरी का नेतृत्व डॉ. घनश्याम सत्पात्रार्थी ने किया है। मरीज को बार-बार दौरे पड़ रहे थे और मरिटक्स के उस हिस्से में ट्यूमर पाया गया था जो बोलने और शरीर के दौरिए हिस्से की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। ट्यूमर की सर्वेनदारी रिथ्टिक्ट को ध्यान में रखते हुए, डॉक्टरों ने



जिससे स्वस्थ मरिटक्स संरचना को किसी भी क्षति से बचाया जा सका। इस तकनीक से मरीज को लखड़ा होने का खतरा नहीं रहता है एवं मरीज का मनोबल बन रहता है और रिकवरी भी जल्दी होती है। ब्रेन ट्यूमर की इस एडवांस तकनीक से राज्य के मरीजों को हैंडरावाद, मुंबई जैसे बड़े शहरों में जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

डॉ. घनश्याम सत्पात्रार्थी करने में नियंत्रित करने के लिए कहते हैं। जिससे वार्ताविक समय में मरीज के मरिटक्स की गतिविधियों में नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

न्यूरोमॉनिटरिंग तकनीक ने सर्जरी को अत्यधिक सटीक और सुरक्षित बनाया,

यादवार और गतिविधियों को सुरक्षित रखने का अवकाश देती है।

सर्जरी के बाद, मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार आया और सर्जरी के तीसरे दिन अस्पताल से स्वस्थ होकर छुट्टी ले ली। इस सफलता में डॉ. एच.पी. सिन्हा (न्यूरोलॉजिस्ट) और टीम, डॉ. राकेश चंद, डॉ. धर्मेश कुमार लाल (एन्सीएसीलॉजिस्ट) और टीम, और डॉ. प्रदीप शर्मा (क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ) और टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एम एम आई नारायणा हैल्थ अस्पताल रायपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर, अजित बेलमकोडा ने कहा, यह सर्जरी हमारी को जीवन में नई उम्मीदें मिल रही हैं।

कृषि विवि के स्टार्टअप के उत्पाद जापान और अन्य एशियाई देशों में बिकेंगे जापान के औद्योगिक समूह के साथ हुआ अनुबंध



रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में संचालित एपी बिजनेस इन्व्यूबेशन सेंटर, (राबी) के स्टार्टअप उर्वरक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड एवं 'कोनोइके रूप, जापान' के बीच आज यहां एक एम.ओ.यू. हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की उपस्थिति में उर्वरक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अनिल उपराजी एवं कोनोइके रूप के महाप्रबंधक कार्यालयों और ऑस्ट्रुकी ने एम.ओ.यू. में हस्ताक्षर दिया। इस असर पर कोनोइके रूप सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर हीरोरी सोरेजिमा, कार्यालयी अधिकारी तोषिहिरो युजिवारा और उकी टीम सहित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक संघर्षों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं एम.ओ.यू. सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर हीरोरी सोरेजिमा का साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के साथ, एम एम आई नारायणा हैल्थ अस्पताल रायपुर ने मरीज के बाद, राज्य की स्थिति में तेजी से देखभाल के साथ मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के उकलपति डॉ. गिरीश चंदेल की उपस्थिति में उर्वरक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अनिल उपराजी एवं कोनोइके रूप के महाप्रबंधक कार्यालयों और ऑस्ट्रुकी ने एम.ओ.यू. में हस्ताक्षर दिया। इस असर पर कोनोइके रूप सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर हीरोरी सोरेजिमा, कार्यालयी अधिकारी तोषिहिरो युजिवारा और उकी टीम सहित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम का साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्टार्टअप को बधाई दी और जापानी प्रतिनिधियों के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इंडोर्सिस्टम को साझा किया। उन्होंने भविष्य में और अन्य स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने में मरीज को लेंगे।

उक्त घटना के बाद, जापानी अधिकारी ने एम.ओ.यू. के साथ एक अन्य स्ट